संख्या-80/2020/1318/22-2-2018-17(287)/2018

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 **लखनऊ दिनांक 31 जनवरी, 2020**

विषय:-केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी बांकेलाल पुत्र श्री मिढईलाल, निवासी जनपद-पीलीभीत की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-25515/प्रोबेशन-3/फार्म-ए(एम-09-07-2018) दिनांक-17-07-2018 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी बांकेलाल पुत्र श्री मिढईलाल, निवासी-पंडरी मरौरी, थाना-बिलसण्डा, जनपद-पीलीभीत का रहने वाला है। बन्दी ने पत्नी के बदचलन होने के शक में दिनांक 18.06.2003 को समय लगभग 03:30 बजे अपने साथ में मायके जाते समय तमंचे से गोली मारकर एवं चाकू से अपनी पत्नी शकुन्तला की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-621, 622, 623/03 में भा0द0वि0 की धारा-302, 315, 504, 25ए व 4/25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश (एफ0टी0सी0-1), पीलीभीत के आदेश दिनांक 28.02.2006 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया है, जिसे क्रि0 अपील संख्या-1368/2006 में मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 18.12.2012 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 05.06.2018 तक 14 वर्ष 11 माह 16 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष 00 माह 18 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट ने बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने की संभावना होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी ने पत्नी के बदचलन होने के शक में दिनांक 18.06.2003 को साथ में मायके जाते समय तमंचे से गोली मारकर एवं चाकू से अपनी पत्नी शकुन्तला की हत्या करने का जघन्यतम अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी की आयु 59 वर्ष 03 माह लगभग है तथा शारीरिक रूप से स्वस्थ है तथा अपराध करने में अशक्त नहीं है, इसकी पुष्टि पुलिस अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में की गयी है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता,

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

जघन्यता, दोनों पक्षों के मध्य विवाद समाप्त न होने, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोवेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी बांकेलाल पुत्र श्री मिढईलाल को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी बांकेलाल (बन्दी संख्या-41444) पुत्र श्री मिढईलाल, निवासी जनपद-पीलीभीत के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

संख्या-80/2020/1318(1)/22-2-2018 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, जनपद पीलीभीत।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, बरेली।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्ंया-80/2020/1318/22-2-2018-17(287)/2018

दिनांक 31 जनवरी, 2020 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी बांकेलाल (बन्दी संख्या-41444) पुत्र श्री मिढईलाल, निवासी-पंडरी मरौरी, थाना-बिलसण्डा, जनपद-पीलीभीत का रहने वाला है। बन्दी ने पत्नी के बदचलन होने के शक में दिनांक 18.06.2003 को समय लगभग 03:30 बजे अपने साथ में मायके जाते समय तमंचे से गोली मारकर एवं चाकू से अपनी पत्नी शकुन्तला की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-621, 622, 623/03 में भा0द0वि0 की धारा-302, 315, 504, 25ए व 4/25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश (एफ0टी0सी0-1), पीलीभीत के आदेश दिनांक 28.02.2006 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया है, जिसे क्रि0 अपील संख्या-1368/2006 में मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 18.12.2012 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 05.06.2018 तक 14 वर्ष 11 माह 16 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष 00 माह 18 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट ने बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने की संभावना होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी ने पत्नी के बदचलन होने के शक में दिनांक 18.06.2003 को साथ में मायके जाते समय तमंचे से गोली मारकर एवं चाकू से अपनी पत्नी शकुन्तला की हत्या करने का जघन्यतम अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी की आयु 59 वर्ष 03 माह लगभग है तथा शारीरिक रूप से स्वस्थ है तथा अपराध करने में अशक्त नहीं है, इसकी पुष्टि पुलिस अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में की गयी है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता, दोनों पक्षों के मध्य विवाद समाप्त न होने, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोवेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी बांकेलाल पुत्र श्री मिढईलाल को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in